समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास फरवरी

विषय – हिन्दी

कक्षा - 9-10

यू.टी. चडीगढ़, शिक्षा विभाग

संकलित – राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर-47, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का निर्माण सन् 2022 में आयोजित होने वाली पीसा परीक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

सहयोग समिति :

श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, सहायक निदेशक व्यावसायिक शिक्षा, शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ ।

प्राचार्य श्रीमती डॉ प्रीति गर्ग राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 47, चंडीगढ़।

निर्माण समिति :

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
8. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	कक्षा – 9-10			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	माटी वाली	Understand	पाठ्य पुस्तक	4
2	किसान आन्दोलन	Understand	पाठ्य पुस्तक	9

प्रतिमान-1

पाठ्य पुस्तक : कृतिका भाग - 1	कक्षा – 9
पाठ का प्रकार : गदयांश	पाठ का नाम : माटीवाली
सीखने के प्रतिफल : भाषिक कौशल, भाषा और विचार-बोध, भाषिक दक्षता, सौंदर्य-बोध, संदर्भ को फैलाने वाले, कल्पना का विस्तार, वैज्ञानिक तत्परता विकास, मौलिक अभिव्यक्ति, बहुभाषिक।	

माटी वाली

आज माटी वाली को माटी बेचने से होने वाली कमाई के अलावा भी कुछ मिला था। वह सोच रही थी, नहीं, आज वह एक गठरी में बदल गए अपने बुड्ढे को कोरी रोटियाँ नहीं देगी। माटी बेचने से हुई आमदनी से उसने एक पाव प्याज़ ख़रीद लिया। प्याज़ को कूटकर वह उन्हें जल्दी-जल्दी तल लेगी। बुड्ढे को पहले रोटियाँ दिखाएगी ही नहीं। सब्ज़ी तैयार होते ही परोस देगी उसके सामने दो रोटियाँ। अब वह दो रोटियाँ भी नहीं खा सकता। एक ही रोटी खा पाएगा या हद से हद डेढ़। अब उसे ज़्यादा नहीं पचता। बाक़ी बची डेढ़ रोटियों से माटी वाली अपना काम चला लेगी। एक रोटी तो उसके पेट में पहले ही जमा हो चुकी है। मन में यह सब सोचती, हिसाब लगाती हुई वह अपने घर पहुँच गई। उसके बुड्ढे को अब रोटी की कोई ज़रूरत नहीं रह गई थी। माटी वाली के पाँवों की आहट सुनकर हमेशा की तरह आज वह चौंका नहीं। उसने अपनी नज़रें उसकी ओर नहीं घुमाईं। घबरायी हुई माटी वाली ने उसे छूकर देखा। वह अपनी माटी को छोड़कर जा चुका था। दाह संस्कार को सोचते-सोचते उसे पुनर्वास के साहब की बात याद आई।

टिहरी बाँध पुनर्वास के साहब ने उससे पूछा कि वह रहती कहाँ है ?

"तुम तहसील से अपने घर का प्रमाणपत्र ले आना।"

"मेरी जिनगी तो इस शहर के तमाम घरों में माटी देते गुज़र गई साब।"

"माटी कहाँ से लाती हो ?"

"माटाखान से लाती हूँ माटी ।"

"वह माटाखान चढ़ी है तेरे नाम ? अगर है तो हम तेरा नाम लिख देते हैं ।"

"माटाखान तो मेरी रोज़ी है साहब ।"

"बुढ़िया हमें ज़मीन का कागज़ चाहिए, रोज़ी का नहीं ।"

"बाँध बनने के बाद, मैं क्या खाऊँगी साब ?"

"इस बात का फ़ैसला तो हम नहीं कर सकते। वह बात तो तुझे ख़ुद ही तय करनी पड़ेगी ।"

टिहरी बाँध की दो सुरंगों को बंद कर दिया गया है। शहर में पानी भरने लगा है। शहर में आपाधापी मची है। शहरवासी अपने घरों को छोड़कर वहाँ से भागने लगे हैं। पानी भर जाने से सबसे पहले कुल श्मशानघाट डूब गए हैं।

माटी वाली अपनी झोपड़ी के बाहर बैठी है। गाँव के हर आने-जाने वाले से एक ही बात कहती जा रही है-"ग़रीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए।"

1. “घबरायी हुई माटी वाली ने उसे छूकर देखा।“ वह अपनी **<u>माटी को छोड़कर</u>** जा चुका था। रेखांकित वाक्यांश का क्या अर्थ है?

   क) भाग जाना ख) देश त्यागना

   ग) शरीर त्यागना घ) खेत-खलिहान त्यागना

2. दिए गए पाँच विकल्पों में से चार उचित विकल्प चुन कर निम्न गदयांश को पूर्ण करें।

   i) प्रौढ़ शिक्षा ii) प्रमाण पत्रों iii) स्वावलंबी iv) अनभिज्ञ v) सर्वांगीण

   शिक्षा हमारा मूलभूत अधिकार है। ..... जीवन जीने के लिए शिक्षा आवश्यक भी है। इससे न केवल व्यक्ति सामाजिक व आर्थिक रूप से सक्षम हो सकता है बल्कि अपना ..... विकास भी कर सकता है। जन्म से मृत्यु तक विभिन्न प्रमाण पत्रों की आवश्यकता पड़ती है। माटी वाली की तरह आज भी लोग शिक्षा के अधिकार से

..... हैं। वयस्क हो चुके अशिक्षितों को शिक्षित करने के लिए ..... केन्द्र खोले गए हैं ।

क) i,ii,iii,iv ख) iii,iv,v,ii

ग) iii,v,iv,i घ) v,iv,ii,i

3. कोविड-19 महामारी में राष्ट्रीय लॉक-डाउन के दौरान रोज़गार के अवसर, लघु उद्योग व कारख़ाने बंद हो चुके थे। ऐसे समय में कई लोगों ने पलायन किया। क्या उनका यह निर्णय उचित था? तर्कसंगत उत्तर दीजिए?

4. निम्नलिखित श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों के अर्थों के लिए उचित क्रम वाला विकल्प चुनें।
परिणाम, प्रमाण, प्रणाम, परिमाण

1) नमस्कार, नतीजा, मात्रा, दस्तावेज़

2) दस्तावेज़, नमस्कार, नतीजा, मात्रा

3) नतीजा, दस्तावेज़, नमस्कार, मात्रा

4) मात्रा, नमस्कार, नतीजा, दस्तावेज़

क) 1 ख) 2 ग) 3 घ) 4

5. "बुढ़िया हमें ज़मीन का कागज़ चाहिए, रोज़ी का नहीं ।" ज़मीन का कागज़ मतलब 'ज़मीन का प्रमाण पत्र'। आप अपने दैनिक जीवन में कौन-कौन से प्रमाण पत्र देखते है?

<u>सुझावात्मक गतिविधि</u> : - कोविड-19 में एक समाचार से प्रभावित चित्रकार ने यह निम्न चित्र बनाया, हर तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए आत्मबल से अपनी मंज़िल तक पहुँचने का यह मात्र एक उदाहरण है। आप भी यदि किसी समाचार से प्रभावित हुए हैं तो अपने अनुभव को चित्र / कहानी / कविता के रूप में अभिव्यक्त करें या अपने विचार ऑडियो या विडियो के रूप में प्रस्तुत करें।

गुड़गाँव से दरभंगा
"श्रवण कुमारी" → "कौन कहता है कि सिर्फ बेटे घर का चिराग है, बेटियाँ भी घर को रौशन करतीं हैं।
K. L. Bhaskar
23.5.2020

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	विवेचन	तार्किक	कठिन
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5	व्यापक समझ	तार्किक	सरल

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	ग) शरीर त्यागना
	No Credit	अन्य विकल्प
2.	Full Credit	ग) iii,v,iv,i
	No Credit	अन्य विकल्प
3.	Full Credit	प्रश्नानुसार विद्यार्थी का तर्क सहित उत्तर मान्य होगा।
	Partial Credit	हाँ / नहीं
	No Credit	असंगत /अन्य उत्तर
4.	Full Credit	ग) 3
	No Credit	अन्य विकल्प
5.	Full Credit	आधार कार्ड, वोट पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र, इत्यादि
	Partial Credit	कोई एक संगत उत्तर
	No Credit	असंगत /अन्य उत्तर

प्रतिमान-2

पाठ्य पुस्तक – स्पर्श (1)	कक्षा – 9
प्रकार – निबंध	पाठ का नाम : धूल

सीखने के प्रतिफल :

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। जैसे--जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े? या मुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

916. हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी के प्रति अपनी रुचि व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं।

किसान आंदोलन

भारत में किसान आंदोलन की शुरुआत सन् 1859 से हुई थी। अंग्रेजों की नीति से सबसे ज्यादा किसान प्रभावित हुए, इसलिए आजादी से पूर्व भी कृषि-नीतियों ने किसान आंदोलनों की नींव रखी | वर्ष 1857 के सिपाही विद्रोह विफल होने के बाद विरोध का मोर्चा किसानों ने ही संभाला ,क्योंकि अंग्रेजी और देसी रियासतों के सबसे बड़े आंदोलन उनके शोषण से ही उपजे थे| इन आंदोलनों ने शासन की जडें तक हिला दी| आजादी के पहले देश में प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों ने भी किसानों के शोषण, उनके साथ होने वाले सरकारी अधिकारियों की अत्याचारों का सबसे बड़ा संघर्ष, पक्षपात पूर्ण व्यवहार और किसानों के संघर्ष को प्रमुखता से प्रकाशित किया|

छापामार आंदोलन को दिया बढ़ावा:- देश में आंदोलनकारी किसानों ने छापामार आंदोलन को प्राथमिकता दी| 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को देसी रियासतों की मदद से अंग्रेजों द्वारा कुचलने के बाद विरोध की आग से किसान आंदोलन की ज्वाला धधक उठी| इन्हीं में पाबना विद्रोह, तेभागा आंदोलन, चंपारण सत्याग्रह, बारदोली सत्याग्रह और मोपला विद्रोह प्रमुख किसान आंदोलन शामिल हैं| वर्ष 1918 के दौरान गांधी के नेतृत्व में खेड़ा आंदोलन की शुरुआत की गई| इसके बाद 1922 में मेड़ता बंधुओं (कल्याण जी तथा कुँवर जी) के सहयोग से बारदोली आंदोलन शुरू हुआ| हालांकि इस सत्याग्रह का नेतृत्व सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया| लेकिन अंग्रेजी हुक्मरानों की जड़ें हिलाने वाला सबसे अधिक प्रभावशाली किसानों का आंदोलन नीलहा किसानों का चंपारण सत्याग्रह रहा|

दक्कन का किसान आंदोलन:- आजादी के पहले का यह किसान आंदोलन एक-दो स्थानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश के कई भागों में पसर गया| दक्षिण भारत के दक्कन से फैली यह आग महाराष्ट्र के पुणे एवं अहमदनगर समेत देश के कई हिस्सों में फैल गई| इसका एकमात्र कारण किसानों पर साहूकारों का शोषण था | 1874 में दिसंबर में एक सूदखोर कालूराम ने किसान बाबासाहेब देशमुख के खिलाफ अदालत से घर की नीलामी की डिक्री प्राप्त कर ली| इस पर किसानों ने साहूकारों के विरुद्ध आंदोलन की शुरुआत शिरूर तालुका के करडाह गांव से की|

उत्तर प्रदेश में किसान का एका आंदोलन :- फरवरी 1918 में उत्तर प्रदेश में किसान सभा का गठन किया गया| वर्ष 1919 के अंतिम दिनों में किसानों का संगठित विद्रोह खुलकर सामने आया| इस संगठन को जवाहरलाल नेहरू ने अपने सहयोग से शक्ति प्रदान की| उत्तर प्रदेश के हरदोई बहराइच एवं सीतापुर जिले में लगान में वृद्धि एवं उपज के रूप में लगान वसूली को लेकर अवध के किसानों ने एका आंदोलन नामक आंदोलन चलाया|

मोपला विद्रोह:- केरल के मालाबार क्षेत्र में मोपला किसानों द्वारा 1920 में विद्रोह किया गया| शुरुआत में यह विद्रोह अंग्रेज हुकूमत के खिलाफ था| गांधीजी, शौकत अली, मौलाना अबुल कलाम जैसे नेताओं ने इस आंदोलन में अपना सहयोग दिया| 1920 में इस आंदोलन ने हिंदू मुस्लिमों के बीच सांप्रदायिक हिंसा का रूप ले लिया और जल्द यह आंदोलन अंग्रेजों द्वारा कुचल दिया गया|

कूका आंदोलनः- कृषि संबंधी समस्याओं के खिलाफ अंग्रेज सरकार से लड़ने के लिए बनाए गए कूका संगठन के संस्थापक भगत जवाहरमल थे| 1872 में इनके शिष्य राम सिंह ने अंग्रेजों का कड़ाई से सामना किया| बाद में उन्हें कैद कर रंगून भेज दिया गया |

रामोसी किसानों का आंदोलनः- महाराष्ट्र में वासुदेव बलवंत फड़के के नेतृत्व में रामोसी किसानों ने ज़मीदारों के अत्याचारों के विरुद्ध विद्रोह किया| आंध्र प्रदेश में सीताराम राजू के नेतृत्व में औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध विद्रोह हुआ| जो 1879 से 1920-22 तक छिटपुट ढंग से चलता रहा|

झारखंड का टाना भगत आंदोलनः- विभाजित बिहार के झारखंड में भी आजादी के दौरान 1914 में टाना भगत ने आंदोलन की शुरुआत की थी| यह आंदोलन लगान की ऊँची दर और चौकीदारी कर के विरुद्ध था| इस आंदोलन के मुखिया जतरा टाना भगत थे| मुंडा या मुंडारी आंदोलन की समाप्ति के 13 साल बाद टाना भगत आंदोलन शुरू हुआ|

1. निम्नलिखित में से किसानों का सबसे अधिक प्रभावशाली आंदोलन कौन-सा माना जाता है?

क) बारदोली आंदोलन

ख) नीलहा किसानों का चंपारण सत्याग्रह

ग) मोपला विद्रोह

घ) रामोसी किसानों का आंदोलन

2. सही विकल्प का चुनाव करें:-

क) हरदोई, बहराइच एवं सीतापुर -बिहार

ख) हरदोई, बहराइच एवं सीतापुर-झारखंड

ग) सीतापुर, हरदोई एवं बहराइच-उत्तर प्रदेश

घ) बहराइच, सीतापुर एवं हरदोई-राजस्थान

3.'हीरा वही घन चोट न टूटे' कथन किसान वर्ग के संदर्भ में कहा गया है| किसानों की हमारे जीवन में क्या भूमिका है? अपने विचार दें|

4.हरित क्रांति का हिस्सा क्या नहीं है?

क) देश में फसलों के क्षेत्रफल में वृद्धि

ख) कृषि उत्पादन में वृद्धि

ग) भारत की दूसरे देशों पर निर्भरता में वृद्धि

घ) खेती की आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल

5.यदि एक किसान अपने वर्गकार खेत जिसकी एक भुजा 10 मीटर है, को बाड़ के चारों और तीन बार तार लगाना चाहता है | तो उसे बाड़ लगाने के लिए कितनी तार की आवश्यकता होगी?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पी	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पी	औसत
3	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
4	विश्लेषण	बहुविकल्पी	कठिन
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1. Full Credit : नीलहा किसानों का चंपारण सत्याग्रह

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : ग) उत्तर प्रदेश

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3. Full Credit : छात्र द्वारा दिया गया कोई भी संगत उत्तर

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : ग) भारत की दूसरे देशों पर निर्भरता में वृद्धि

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : 120 मीटर

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर